जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 75 प्रभात बीकानेर, शनिवार 5 अक्टूबर, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

क्या मोहन भागवत, मोदी से सीधी लड़ाई चाहेंगे, नये पार्टी अध्यक्ष के प्रश्न पर?

जब तक मोदी प्र.मंत्री हैं, मोहन भागवत अपने उम्मीदवार संजय जोशी को शायद भाजपा के अध्यक्ष के रूप में नहीं देख पायेंगे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। आर.एस.एस. और भाजपा नेतृत्व के बीच चल रहे तनावपूर्ण संबंध अब भाजपा अध्यक्ष पद को लेकर तीव्र रस्साकशी का रूप ले चुके हैं।

पार्टी अध्यक्ष पद से जे.पी. नड्डा के रिटायरमैंट के बाद, भाजपा और आर.एस.एस. अगले पार्टी अध्यक्ष के चयन के मामले में परस्पर पूर्ण रूप से सहमत नहीं हैं। इसलिये नये अध्यक्ष के मिलने तक नड्डा इस पद पर बने हुये हैं।

राजनैतिक हलकों में ऐसी अटकलें जोरों पर है कि आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत पार्टी अध्यक्ष पद पर संजय जोशी को प्रतिष्ठित किये जाने पर पूरा जोर दे रहे हैं, किन्तु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस व्यक्ति से घोर नफरत है।

भाजपा सूत्रों का कहना है कि मोदी और शाह, जोशी को किसी भी प्रकार स्वीकार नहीं करेंगे।

जोशी एक ऐसे नेता बन गए हैं, जिनकी भाजपा और आर.एस.एस. में बहुत माँग है तथा कार्यकर्ता, नेता, मंत्री तथा अन्य लोग उनसे मिलने की कतार

- अगर भागवत, संजय जोशी को पार्टी अध्यक्ष बनवाने में सफल हो गये तो, भागवत जानते हैं कि इससे पार्टी में विभाजन भी हो सकता है।
- अतः कई और नाम चलाये जा रहे हैं, जैसे नितिन गड़करी, वसुंधरा राजे। पर, इन नामों में से किसी भी नाम पर आम सहमति नहीं बन रही है। अतः रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का नाम चलाया गया है। पर, वे एक कमज़ोर व्यक्ति माने जाते हैं, अतः दोनों खेमों का मानना है कि राजनाथ सिंह किसी भी खेमे का राजनीतिक एजेंडा पूरा नहीं कर पायेंगे।
- अगर भाजपा चार राज्यों में विधानसभा चुनाव हार जाती है तो कमज़ोर पी.एम. अपनी ज़िद पर नहीं अड़ पायेंगे, अतः इन हालात में संजय जोशी भाजपा अध्यक्ष बन सकते हैं।
- साथ ही मोदी-शाह द्वय आर.एस.एस. के प्रिय, यू.पी. के मु.मंत्री योगी आदित्यनाथ को भी यू.पी. के मु.मंत्री पद से हटाने की मुहिम और सक्रिय कर सकते हैं।
- अतः भाजपा के नये अध्यक्ष की गुत्थी सुलझती नज़र नहीं आ रही है और तब तक नड्डा एक्सटेंशन पर चलते रहेंगे।

में लगे रहते हैं। यह तो स्पष्ट है कि उन्हें आर.एस.एस. के शीर्ष नेतृत्व का पूर्ण समर्थन प्राप्त है, लेकिन सवाल यह है कि, मोहन भागवत, मोदी के साथ इस हद तक खुले टकराव की स्थिति तक पहुँच जायेंगे क्योंकि वे प्रधानमंत्री के रूप में भाजपा को तोड़ने का जोखिम भी उठा सकते हैं।

भाजपा नेताओं का कहना है कि मोदी पलटवार करते हुये, आर.एस.एस. के चहेते योगी आदित्यनाथ को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से हटा सकते हैं और इस बात को मोहन भागवत बिल्कुल नहीं चाहेंगे।

भाजपा अध्यक्ष पद के लिये कई नाम चर्चा में हैं, जैसे- राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, नितिन गडकरी आदि, लेकिन इन नामों पर भाजपा तथा आर.एस.एस. का शीर्ष नेतृत्व परस्पर एकमत नहीं है।

एक संभावना और भी चर्चा में तथा विचाराधीन है- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मोदी तथा भागवत, दोनों के ही निकट हैं। लेकिन राजनाथ सिंह एक कमज़ोर व्यक्ति हैं तथा यह भी हो सकता है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्षत्रप

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। हरियाणा के दलित नेता अशोक तवँर की कांग्रेस में वापसी कोई अपवाद नहीं है। यह वही

- जब केन्द्रीय सत्ता कमज़ोर होती है तो क्षत्रप मनमानी करते हैं।

कहानी है कि जब भी केन्द्रीय नेतृत्व कमजोर हो जाता है तो अवसरवादियों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा छोड़ कांग्रेस में क्यों लौटे तँवर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। पूर्व

- कांग्रेस छोड़कर पहले आप और फिर भाजपा में जाने वाले दलित नेता अशोक तँवर ने कांग्रेस में वापसी पर कहा कि भाजपा की बाबा साहेब अम्बेडकर और संविधान में आस्था नहीं हैं, इसलिए वे कांग्रेस में लौट आए हैं।

कांग्रेस सांसद डॉ. अशोक तँवर ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने भाजपा इसलिये छोड़ी, क्योंकि उसका बाबा साहेब अम्बेडकर और संविधान में कोई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मां-बेटी ने घर में बंद होकर आदमखोर पैंथर से जान बचाई

सरिस्का, रणथम्भौर और केवलादेव के अधिकारी भी सर्च टीम में शामिल हुए

उदयपुर, 4 अक्टूबर (कासं)। उदयपुर जिले के गोगुंदा-बड़गांव उपखंड की तीन पंचायतों के गांवों में आदमखोर पैंथर का आतंक इतना बढ़ गया है कि अब ग्रामीणों का सब्र भी टूटने लगा है। आदमखोर पैंथर ने पहला शिकार 9 सितंबर को किया था उसे अब तक 15 दिन बीत चुके हैं। ग्रामीण हर पल मौत के साए में जी रहे हैं। इधर, इन 15 दिन में वन विभाग, पुलिस और प्रशासन आदमखोर पैंथर को पकड़ने या शूट करने में नाकाम साबित हुआ है।

गुरुवार देर रात भी एक मां-बेटी आदमखोर पैंथर का शिकार होने से बाल-बाल बच गईं। दोनों ने घर बंद कर अपनी जान बचाई। वहीं, 9 लोगों को मार चुके आदमखोर पैंथर को पकड़ने के लिए अब शूटर्स की नई टीम बनाई गई है। सरिस्का, रणथंभौर और केवलादेव के अधिकारियों को इसमें शामिल किया गया है। टीम को वाइल्डलाइफ सी.सी.एफ. टी. मोहन राज लीड करेंगे। आदमखोर पैंथर को घेरने के लिए पूरे एरिया में वन विभाग के 50 से अधिक कर्मचारी और 12 शूटर्स एक सप्ताह से पैंथर को ट्रैंकुलाइज़ करने की कोशिश में लगे हैं।

जिले के गोगुंदा और झाडोल एरिया में बीते करीब 15 दिन से पैंथर लगातार हमले कर रहा है। यहां के चार से ज्यादा गांवों में दहशत है और ग्रामीणों में वन विभाग व प्रशासन के खिलाफ गुस्सा है।

- गोगुंदा क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे पैंथर के हमलों से ग्रामीणों में वन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ भारी गुस्सा नज़र आ रहा है।
- गोगुंदा के खेड़ा गांव में गुरुवार को फिर से पैंथर का मूवमैंट देखा गया। पैंथर ने मां-बेटी पर हमला करने की कोशिश की, पर, उन्होंने घर में बंद होकर अपने को बचा लिया। पैंथर मुर्गियों का शिकार करके चला गया।

गुरुवार शाम को भी लोगों ने विभागीय कर्मचारियों पर पथराव किया था। गोगुंदा के खेडा गांव में पैंथर का गुरुवार रात को फिर से मूवमेंट देखा गया है। रात करीब नौ बजे पूनाराम गमेती के घर के बाहर पैंथर ने एक मां-बेटी पर अटैक करने की कोशिश की, लेकिन दोनों ने खुद को घर में बंद कर जान बचाई। कुछ देर बाद ग्रामीणों के आने पर परिवार बाहर निकला तो पता चला कि पैंथर मुर्गियों का शिकार कर चला गया है। ये गांव कुडाऊ से 3 किलोमीटर की दूरी पर है, जहां 25 सितंबर की रात आदमखोर पैंथर ने 5 साल की बच्ची सूरज का शिकार किया था।

मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक पवन उपाध्याय ने बताया कि पैंथर को शूट करने के लिए शुक्रवार से स्पेशल ऑपरेशन शुरू किया गया है। दो टीमें फील्ड में सक्रिय हैं। पहली टीम 4 से 6 अक्टूबर तक गोगुंदा में रहेगी। टीम को सी.सी.एफ. वाइल्डलाइफ जयपुर टी. मोहन राज लीड कर रहे हैं। इनके साथ टीम में सरिस्का फील्ड डायरेक्टर संग्राम सिंह और रामगढ़ विषधारी डी.सी.एफ. संजीव शर्मा हैं। मुख्य वन संरक्षक उदयपुर सुनील छिद्री ने बताया कि स्पेशल ऑपरेशन चलाने के लिए ई.आर.टी. टीम गोगुंदा पहुंच चुकी है। इनके नेतृत्व में ऑपरेशन के लिए रणनीति बनाई गई है। जल्द ही पैंथर को पकड़ लिया जाएगा। इसके लिए उसे ट्रैंकुलाइज़ किया जाएगा, यदि वह पकड़ में नहीं आता है तो उसे शूट कर देंगे। यदि इस टीम को सफलता नहीं मिलती है तो दूसरी टीम 7 से 9 अक्टूबर स्पेशल ऑपरेशन चलाएगी। दूसरी टीम में ए.पी. सी. एफ. वाइल्ड लाइफ राजेश गुप्ता, रणथंभौर के फील्ड डायरेक्टर अनूप केआर और केवलादेव नेशनल पार्क भरतपुर के डी.सी.एफ. मानस सिंह शामिल हैं। ये 7 अक्टूबर को गोगुंदा आएंगे।

इधर गोगुंदा क्षेत्र में लगातार बढ़ते

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को बीस साल की सजा

जयपुर, 4 अक्टूबर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर प्रथम ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त युवक को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर चालीस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी मीना अवस्थी ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने पीड़िता के साथ

- अभियुक्त धर्म भाई बनकर पीड़ित परिवार के साथ रहता था। उसने नशीला पानी पिलाकर पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया।

जबरन दुष्कर्म किया है। यदि इसमें पीड़िता की सहमति भी होती तो भी यह अपराध ही श्रेणी में माना जाता, क्योंकि नाबालिग की सहमति कानून में कोई महत्व नहीं रखती है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक राजेश श्योराण ने अदालत को बताया कि मामले में पीड़िता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाईड्रोजन ट्रेन

रेल दुर्घटनाओं की लम्बी लिस्ट से निरुत्साहित नहीं है भारतीय रेलवे, अब आधुनिकतम ''हाईड्रोजन ट्रेन'' शुरु करने की तैयारी में है

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। ऐसा लगता है, पिछले महीनों में आए दिन हुई रेल दुर्घटनाओं से भारतीय रेलवे की आगामी योजनाओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा हैं। उत्तर रेलवे के जींद-सोनीपत सैक्शन पर आगामी दिसम्बर में हाइड्रोजन से चलने वाली भारत की पहली ट्रेन के ट्रायल की तैयारियाँ जोर-शोर से चल रही हैं। अगर ये ट्रायल सफल रहते हैं तो 35 सिक्स कार हाइड्रोजन ट्रेन भारतीय रेल में शामिल की जाएंगी तथा आठ हेरिटेज रुटों पर चलाई जायेंगी। इन रुटों में दार्जलिंग हिमालयन रेलवे भी शामिल है।

इस प्रगति के साथ ही, भारत हाइड्रोजन ट्रेन संचालित करने वाला विश्व का पाँचवा देश बन जायेगा। जिन अन्य चार देशों में हाइड्रोजन ट्रेन चल रही हैं, वे हैं- जर्मनी, स्वीडन, फ्रांस तथा चीन। हाइड्रोजन फ्यूल सैल ट्रेन ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जित नहीं करती है। इससे

- इन ट्रेन का ईंधन हाईड्रोजन होता है, अतः ''कार्बन फुट प्रिंट'' लगभग ज़ीरो है, पर, हाईड्रोजन ऊर्जा को ट्रेन चलाने के लिये उपयुक्त ऊर्जा बनाने में काफी समय व मेहनत लगती है, अतः हाईड्रोजन ट्रेन कम स्पीड पर ही चल पाती है।
- भारतीय रेलवे आठ हैरिटेज रूट्स, जैसे दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे पर ये हाईड्रोजन ट्रेन चलायेगी प्रारम्भ में। इसके लिये छः डिब्बों वाली पैंतीस हाईड्रोजन ट्रेन्स का ऑर्डर दिया है, भारतीय रेलवे ने।

परिवहन के इस सार्वजनिक साधन, अर्थात रेलगाड़ियों को अपने कार्बन फुट प्रिन्ट्स को कम करने में मदद मिलेगी। इसमें असुविधा यह रहेगी कि लोकोमोटिव पावर में बदलने के लिये, इस प्रकार की ट्रेनों को बहुत ज्यादा ऊर्जा की आवश्यकता होगी। इसलिये, ये ट्रेन डीजल से चलने वाली ट्रेनों की अपेक्षा कम रफ्तार से ही चलाई जा सकती हैं।

भारतीय रेलवे ने सेफ्टी ऑडिट संचालन के लिये जर्मन टी.यू.वी. - एस.यू.डी. के साथ पार्टनरशिप की हैं, जबकि एक वर्तमान डीजल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (डी.ई.एम.यू.) पर हाइड्रोजन फ्यूल सैल की रैट्रोफिट के लिये एक पायलट प्रोजेक्ट शुरु किया गया है तथा आवश्यक मूलभूत इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम शुरु कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि हाइड्रोजन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र के डिप्टी स्पीकर तीसरी मंजिल से कूदे

महाराष्ट्र, 04 अक्टूबर। महाराष्ट्र के मंत्रालय में अजित पवार गुट के विधायक और विधानसभा के डिप्टी स्पीकर उपाध्यक्ष नरहरि झिरवल मंत्रालय की तीसरी मंजिल से कूद गए। छत से कूदे नरहरि और सुरक्षा जाली पर अटक गए। झिरवल के बाद कुछ और आदिवासी विधायक भी कूद गए। हालांकि, नीचे जाली रहने के कारण सभी की जान बच गई। झिरवल धनगर समाज को एस.टी. कोटे से आरक्षण का विरोध कर रहे हैं। नरहरि झिरवल महाराष्ट्र विधानसभा के उपाध्यक्ष हैं और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सदस्य हैं।

बता दें कि आज महाराष्ट्र के आदिवासी समाज के विधायक मंत्रालय में आंदोलन कर रहे हैं। इस दौरान विधायक मंत्रालय के दूसरी मंजिल पर लगाई गई सुरक्षा जाली पर कूद पड़े और नारेबाजी करने लगे। पुलिस ने विधायकों को सुरक्षा नेट से हटा दिया है।

बताया जा रहा है कि वे एकनाथ शिंदे सरकार की तरफ से धनगर समाज को एसटी का दर्जा दिए जाने के फैसले के खिलाफ हैं। वे अपनी ही सरकार के फैसले का विरोध कर रहे हैं।

भारतीय वायुसेना अपना सारा सामान देश में बनायेगी

भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में चीन का भी जिक्र किया

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर। पूरी दुनिया में इस वक्त उथल-पुथल के हालात हो रहे हैं और दुनिया दो गुटों में बंटती हुई नजर आ रही है। ऐसे समय में भारत की ओर से भी भविष्य की स्थित को ध्यान में रखते हुए एक के बाद एक बड़े फैसले लिए जा रहे हैं। इसी क्रम में भारतीय वायुसेना ने भी बड़ा फैसला किया है। वायुसेना अपनी जरूरत का सभी सामान भारत में ही बनाने पर विचार कर रही है। इस काम को पूरा करने के लिए वायुसेना ने समय भी तय किया है।

दरअसल, भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने शुक्रवार को इस बात की जानकारी दी है। वायुसेना दिवस से कुछ ही दिन पहले उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में भू-राजनीतिक तनावों और संघर्षों पर चर्चा की। इस

- वायुसेना अपनी जरूरत का सभी सामान भारत में ही बनाने पर विचार कर रही है। इस काम को पूरा करने के लिए वायुसेना ने समय भी तय किया है
- वायुसेना के प्रमुख, एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने बताया कि इस निर्णय को पूरा करने के लिये 2047 तक की समय सीमा तय की गई है।

दौरान वायुसेना के प्रमुख ने कहा कि भविष्य की किसी भी सुरक्षा चुनौती से निपटने के लिए स्वदेशी हथियार प्रणालियों का होना जरूरी है। उन्होंने बताया कि भारतीय वायुसेना 2047 तक अपने सभी सामान का उत्पादन भारत में ही करने पर विचार कर रही है। आपको बता दें कि हर साल 8 अक्टूबर को वायुसेना दिवस मनाया जाता है।

भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में चीन का भी जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एल.ए.सी. पर बुनियादी ढांचे का निर्माण काफी तेजी से कर रहा है। चीन, खासकर लद्दाख सेक्टर में ये काम ज्यादा कर रहा है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक सवाल का जवाब देते हुए वायुसेना प्रमुख ने बताया कि रूस ने भारत को एस-400 मिसाइल सिस्टम की तीन यूनिट की आपूर्ति कर दी है।

तिरुपति प्रसादम प्रकरण की जाँच के लिए एस.आई.टी. गठित की सुप्रीम कोर्ट ने

सी.बी.आई. के डायरेक्टर के सुपरविज़न में एस.आई.टी. जाँच करेगी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने तिरुपति के प्रसादम (लड्डू) में इस्तेमाल होने वाले घी में पशु चर्बी की मिलावट की जाँच के लिए स्वतंत्र स्पेशल इन्वैस्टिगेशन टीम (एस.आई.टी.) गठित करने का फैसला सुनाया है।

जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की बैंच ने आदेश दिया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त एस.आई.टी. आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा गठित एस.आई.टी. से इस मामले की जाँच टेक ओवर करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने सी.बी.आई. निदेशक से इस एस.आई.टी. में दो अफसर नियुक्त करने को कहा है। दो अफसर आंध्र प्रदेश पुलिस से लिए

- जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की बैंच ने कहा कि कोर्ट द्वारा गठित एस.आई.टी. आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा पूर्व में गठित एस.आई.टी. से जाँच टेक ओवर करेगी।
- सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 5 सदस्यीय एस.आई.टी. में दो सदस्य सी.बी.आई. से, दो सदस्य आंध्र प्रदेश पुलिस से होंगे, पाँचवे सदस्य के रूप में फूड सेफ्टी एण्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष को मनोनीत किया गया है।

जाएंगे और पाँचवा अफसर फूड सेफ्टी एण्ड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफ.एस.एस.ए.आई.) से लिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सी.बी.आई. निदेशक जाँच की निगरानी करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि करोड़ों भक्तों की भावनाओं को देखते हुए हमें लगता है कि मामले की जाँच स्वतंत्र एस.आई.टी. द्वारा की जानी चाहिए, जिसमें सी.बी.आई., राज्य सरकार और एफ.एस.एस.ए.आई. के प्रतिनिधि हों।

जिस तरह से आंध्र प्रदेश सरकार और टी.टी.डी. के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है, उसे देखते हुए कोर्ट ने कह दिया कि हम कोर्ट को राजनीति का मैदान बनाने की अनुमति नहीं देंगे।

पूर्व में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि केन्द्र को राज्य की एस.आई.टी. पर कोई आपत्ति नहीं है। इसके सदस्यों की अच्छी प्रतिष्ठा है, पर केन्द्र चाहता है कि एक वरिष्ठ आई.पी.एस. अफसर केन्द्र की तरफ से निगरानी करे।

लेकिन याचिकाकर्ताओं, जिनकी तरफ से कपिल सिब्बल कोर्ट में थे, ने स्वतंत्र एस.आई.टी. की मांग की। राज्य सरकार के वकील मुकुल रोहतगी और टी.टी.डी. के वकील सिद्धार्थ लूथरा ने कोर्ट के आदेश पर कोई आपत्ति नहीं जताई।

मालदीव के राष्ट्रपति 7 से 10 अक्टूबर तक भारत यात्रा पर

नयी दिल्ली, 04 अक्टूबर। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज़्ज़ू 07 अक्टूबर से भारत आ रहे हैं वे 10 तक रहेंगे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में कहा, मालदीव गणराज्य के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू 07 अक्टूबर 10 अक्टूबर तक राजकीय यात्रा पर

- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की यह भारत की पहली द्विपक्षीय यात्रा है।

भारत आएंगे। वह 06 अक्टूबर की देर शाम नयी दिल्ली पहुंचेंगे। यह उनकी भारत की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी।

उन्होंने कहा कि इससे पहले वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए इसी वर्ष जून में भारत आए थे।

इज़रायल के जवाबी हमले में हिजबुल्लाह व हमास के नये चीफ मारे गये

इजरायल, 04 अक्टूबर। ईरान की मिसाइल अटैक के जवाब में इज़रायल ने हिजबुल्लाह और हमास पर हमले शुरू कर दिए हैं। इज़रायल ने बेरूत एयरपोर्ट के पास देर रात हमला किया। एक के बाद एक 10 एयरस्ट्राइक से बेरूत का आसमान गूंज उठा। इसके साथ ही इज़रायल की सेना का जमीनी ऑपरेशन भी जारी है। इज़रायल ने हमास प्रमुख जही यासर अब्द अल-रज़ेक औफी को भी मार गिराने का दावा शेयर किया है। वहीं, न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने एक रिपोर्टर के हवाले से बताया कि इज़रायल के हमले में वरिष्ठ हिजबुल्लाह अधिकारी हाशेम सफीदीन को भी निशाना बनाया गया। इस बीच हिजबुल्लाह ने भी इज़रायली सेना के 17 अधिकारियों और सैनिकों को मार गिराने का दावा किया है।

इज़रायली सेना ने शुक्रवार को बताया कि उसने पश्चिमी तट के तुलकरम पर हमला करके हमास नेटवर्क के प्रमुख को मार गिराया है। सेना ने एक बयान में हमास के

- इजरायल ने बेरुत एयरपोर्ट के पास देर रात हमला किया। हमास प्रमुख जही यासर औफी को मार गिराने का दावा किया। हिजबुल्लाह के वरिष्ठ अधिकारी हाशेम सफीदीन को मार दिया गया।
- सफीदीन वह व्यक्ति है, जिसे हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह का उत्तराधिकारी माना जाता है। इस मामले पर किसी भी पक्ष की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया।

आतंकवादी की पहचान जही यासर अब्द अल-रज़ेक औफी के रूप में की गई। वहीं, एक्सियोस के रिपोर्टर बराक रविद ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इज़रायली स्त्रोत का हवाला देते हुए कहा कि बेरूत पर इज़रायली हमले में वरिष्ठ हिजबुल्लाह अधिकारी हाशेम सफीदीन को निशाना बनाया गया। सफीदीन वह व्यक्ति है, जिसे हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह का उत्तराधिकारी माना जाता है। इस मामले पर किसी भी पक्ष की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया।

इज़रायल ने अब तक यह तय नहीं किया है कि ईरान के हमले का जबाव कैसे देना है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन यह साफ कर चुके हैं कि अगर इज़रायल ईरान के परमाणु स्थलों पर हमला करता है तो अमेरिका इसका समर्थन नहीं करेगा। हालांकि, जब बाइडन से पूछा गया कि क्या इज़रायल ईरान के तेल कुओं पर हमला करने वाला है तो उन्होंने कहा कि वह इस पर सार्वजनिक रूप से बात नहीं करेंगे। बाइडन के बयान से तेल की कीमतों में उछाल आया है।